



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 आषाढ़ 1935 (श0)
(सं0 पटना 528) पटना, बृहस्पतिवार, 4 जुलाई 2013

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

11 अप्रील 2013

सं0 22/नि0सि0(भाग0)-09-23/2011/433—श्री मोती सागर सिंह, आई0डी0-3406 तत्कालीन सहायक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल सं0-2, मुंगेर सम्प्रति पुनपुन बाढ़ संरक्षा अवर प्रमण्डल सं0-2, पटनासिटी, करबिगहिया, पटना के विरुद्ध उनके वर्ष 2007-08 की पदस्थापन अवधि के लिए जिला पदाधिकारी, मुंगेर के प्रतिवेदन के आधार पर निम्नांकित आरोपों के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 116 दिनांक 1.2.12 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 19 के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित किया गया:—

(1) धरहरा प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत माताडीह योजना सं0-20/07-08 कमरु आहर की मरम्मत एवं चेक डेम के निर्माण कार्य को नियमित रूप से इनके द्वारा निरीक्षण नहीं किया गया एवं गलत ढंग से एम0 बी0 बनाने वाले कनीय अभियन्ता के विरुद्ध इनके स्तर से कोई कार्रवाई नहीं किया गया जिसके फलस्वरूप उक्त योजना में सरकारी राशि का कनीय अभियन्ता एवं अभिकर्त्ता द्वारा दुरुपयोग किया गया। यदि समय पर योजना की जांच नहीं होती तो दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो पाती।

(11) सहायक अभियन्ता के रूप में इनके द्वारा योजनाओं का निरीक्षण एवं एम0 बी0 की जांच नियमित रूप से किया जाना है फिर भी इनके द्वारा कनीय अभियन्ता द्वारा फर्जी ढंग से तैयार किये गये एम0 बी0 की जांच. स-समय नहीं की गयी जो इनकी कर्तव्यहीनता एवं लापरवाही का घटक है एवं सरकारी सेवक के आचरण के प्रतिकूल है।

(111) स-समय योजनाओं का निरीक्षण एवं एम0 बी0 की जांच इनके स्तर से नहीं होने से इस बात की पुष्टि होती है कि प्रश्नगत योजना में सरकारी राशि के दुरुपयोग में इनकी सहभागिता एवं संलिप्तता रही है।

2. उक्त विभागीय कार्यवाही के संचालन पदाधिकारी श्री प्रकाश चन्द्र दास, अधीक्षण अभियन्ता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल-2, जल संसाधन विभाग, पटना से प्राप्त जांच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं समीक्षोपरान्त निम्नांकित तथ्य पाये गये:—

(1) श्री मोती सागर सिंह, सहायक अभियन्ता के विरुद्ध प्रेषित आरोप पत्र के साथ संलग्न साक्ष्य का कोई अंश लगाये गये आरोप से संबंधित नहीं है। साथ ही श्री सिंह इस बचाव बयान के साथ समर्पित साक्ष्य से भी स्पष्ट है कि उनके द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया है एवं कनीय अभियन्ता द्वारा अंकित अधिक राशि के विपत्र को इनके द्वारा काटा

गया हैं। इस प्रकार श्री सिंह, सहायक अभियन्ता द्वारा अधिकाई व्यय से सरकार को बचाया है। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन में भी श्री सिंह को दोषी नहीं पाया गया है।

3. उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री सिंह के विरुद्ध लगाये गये कोई भी आरोप प्रमाणित नहीं पाये जाने के कारण संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुए श्री सिंह, सहायक अभियन्ता को दोषमुक्त करने का निर्णय सरकार के स्तर पर लिया गया है।

उक्त निर्णय श्री मोती सागर सिंह, सहायक अभियन्ता को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
श्याम कुमार सिंह,
सरकार के विशेष सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 528-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>